|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  | | --- | --- | --- | | **Ders İzlencesi** | | | | **Dersin Adı** | SANAT TARİHİ II(YY) | | | **Dersin AKTS’si** | 5 | | | **Dersin Yürütücüsü** | DOÇ. DR. DEVRİM ÖZKAN | | | **Dersin Gün ve Saati** | ÇARŞAMBA 10:40-11:40-12:40 | | | **Dersin Görüşme Gün**  **ve Saati** | ÇARŞAMBA 14:40 | | | **Öğretim Yöntemi ve Ders Hazırlık** | 1- Görsel malzemelerle anlatım, 2-soru ve cevap | | | **Dersin Amacı** | Sanatın ve sanat tarihinin temel kavramlarını öğretmek, tarihsel süreç içinde Sanat Tarihi I dersinin devamı olarak, 19. Yüzyıldan 1970’lere kadar sanatın gelişimine odaklanarak, kronolojik olarak dönemlere göre sanat eserlerini, eserlerin yapıldığı dönemlerin sosyal yapısını ve eserlerin özelliklerini ve sanat tarihi terminolojisini öğretmek. | | | **Dersin Öğrenme Çıktıları** | 1)Sanatın nasıl ortaya çıktığını,temellerini,tarihsel olayları, bilimsel ve kültürel eğilimlerle bağlantılı olarak öğrenir  2) Sanat tarihi içinde öncülük yapmış ve önemli yeri olan sanatçıları, sanat yapıtlarını malzeme ve teknikleri tanır.  3) Araştırma ve analiz yöntemlerini öğrenir  4) Sanat Eserlerinin oluşum kaynaklarını dinsel,sosyal,ekonomik açıdan değerlendirir  5) Sanat tarihi terminolojisini öğrenir  6) Görsel okur yazarlık ve yorumlama yeteneği kazanır. | | | **Haftalık Ders Konuları** | **1.Hafta** | GİRİŞ | | **2.Hafta** | Romantizm | | **3.Hafta** | Realizm | | **4.Hafta** | Empresyonizm | | **5.Hafta** | Post Empresyonizm: Kübizm ve Primitivizm | | **6.Hafta** | Post Empresyonizm: Ekspresyonizm | | **7.Hafta** | Post Empresyonizm: Sembolizm ve Fovizm | | **8.Hafta** | Ara sınav | | **9.Hafta** | Fütürizm | | **10.Hafta** | Soyut Sanatın Öncüleri | | **11.Hafta** | Konstrüktivizm/ Bauhaus | | **12.Hafta** | Gerçeküstücülük | | **13.Hafta** | Soyut Dışavurumculuk ve Taşizm | | **14.Hafta** | Pop ve Minimalizm | | **15. Hafta** | Tekrar ve Değerlendirme | | | **Ölçme ve**  **Değerlendirme** | VİZE: 40  FİNAL: 60  TOPLAM:100 | |  |  |  | | --- | --- | | **Kaynaklar** | Adnan Turani, Dünya Sanat Tarihi, Remzi Kitabevi yay. 2005,  Ahu Antmen, 20. Yüzyıl Batı Sanatında Akımlar, 2014  E.H. Gombrich, Sanatın Öyküsü, Remzi Kitabevi, 2006  Eleanor Heartney, Sanat&Bugün, Akbank Yayınları, 2012 | | **Değerlendirme Sistemi** | | | **Dersin Ölçme Yöntemleri: A: Sınav** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  | **PROGRAM ÖĞRENME ÇIKTILARI İLE**  **DERS ÖĞRENİM ÇIKTILARI İLİŞKİSİ TABLOSU** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  | **PÇ1** | **PÇ2** | | **PÇ3** | **PÇ4** | **PÇ5** | | **PÇ6** | **PÇ7** | | **PÇ8** | **PÇ9** | **PÇ10** | | **PÇ11** | **PÇ12** | **PÇ13** | | **PÇ14** | **PÇ15** | | **ÖÇ1** | 5 | 5 | | 5 | 5 | 4 | | 5 | 5 | | 5 | 5 | 5 | | 4 | 4 | 5 | | 4 | 5 | | **ÖÇ2** | 5 | 5 | | 5 | 5 | 4 | | 5 | 5 | | 5 | 5 | 5 | | 4 | 4 | 5 | | 4 | 5 | | **ÖÇ3** | 5 | 5 | | 5 | 5 | 4 | | 5 | 5 | | 5 | 5 | 5 | | 4 | 4 | 5 | | 4 | 5 | | **ÖÇ: Öğrenme Kazanımları PÇ: Program Çıktıları** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **Katkı Düzeyi** | | | **1 Çok Düşük** | | | | **2 Düşük** | | | **3 Orta** | | | | **4 Yüksek** | | | | **5 Çok Yüksek** | | |   **Program Çıktıları ve İlgili Dersin İlişkisi**   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  | **PÇ 1** | **PÇ2** | **PÇ3** | **PÇ4** | **PÇ5** | **PÇ6** | **PÇ7** | **PÇ8** | **PÇ9** | **PÇ10** | **PÇ11** | **PÇ12** | **PÇ13** | **PÇ14** | **PÇ15** | | **SİNEMADA TÜRLER** | 5 | 5 | 5 | 5 | 4 | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 | 4 | 4 | 5 | 4 | 5 | |